आरपीएससी (आरएएस/आरटीएस)

प्रारंभिक परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम

परीक्षा योजना

प्रारम्भिक परीक्षा में नीचे विनिर्दिष्ट विषय पर एक प्रश्न–पत्र होगा, जो वस्तुनिष्ठ प्रकार का होगा और अधिकतम 200 अंको का होगा।

परीक्षा का उद्देश्य केवल स्क्रीनिंग परीक्षण करना है। प्रश्नपत्र का स्तरमान स्नातक डिग्री स्तर का होगा। ऐसे अभ्यर्थियों द्वारा, जो मुख्य परीक्षा में प्रवेश के लिए अर्हित घोषित किये गये हो, प्रारम्भिक परीक्षा में प्राप्त अंको को उनका अंतिम योग्यता क्रम अवधारित करने के लिए संगणित नहीं किया जायेगा।

प्रश्नपत्र	विषय	अधिकतम अंक	समय
I	सामान्य ज्ञान और सामान्य विज्ञान	200	तीन घण्टे

नोटः–

1. प्रश्न पत्र में बहुविकल्पीय प्रकार के 150 प्रश्न होंगे व सभी प्रश्न समान अंक के होंगे।
2. मूल्यांकन में ऋणात्मक अंकन किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक गलत उत्तर के लिए 1/3 अंक काटे जाएंगे।

दृष्टि The Vision

Think IAS Think Drishti

प्रारम्भिक परीक्षा पाठ्यक्रम

प्रारम्भिक परीक्षा में नीचे विनिर्दिष्ट विषय पर एक प्रश्न-पत्र होगा, जो वस्तुनिष्ठ प्रकार का होगा और अधिकतम 200 अंकों का होगा। प्रारम्भिक परीक्षा पाठ्यक्रम का विस्तृत विवरण इस प्रकार है-

निर्धारित नवीन पाठ्यक्रम

राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य, परंपरा एवं विरासत

- राजस्थान के इतिहास की महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ, प्रमुख राजवंश, उनकी प्रशासनिक व राजस्व व्यवस्था। सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दे
- स्वतंत्रता आंदोलन, जनजागरण व राजनीतिक एकीकरण
- स्थापत्य कला की प्रमुख विशेषताएँ- किले एवं स्मारक
- कलाएँ, चित्रकलाएँ और हस्तशिल्प
- राजस्थानी साहित्य की महत्त्वपूर्ण कृतियाँ, क्षेत्रीय बोलियाँ
- मेले, त्यौहार, लोक संगीत एवं लोक नृत्य
- राजस्थानी संस्कृति, परंपरा एवं विरासत
- राजस्थान के धार्मिक आंदोलन, संत एवं लोक देवता
- महत्त्वपूर्ण पर्यटन स्थल
- राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व

भारत का इतिहास

प्राचीन काल एवं मध्य काल :

- प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत के इतिहास की प्रमुख विशेषताएँ एवं महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक घटनाएँ
- कला, संस्कृति, साहित्य एवं स्थापत्य
- प्रमुख राजवंश, उनकी प्रशासनिक, सामाजिक व आर्थिक व्यवस्था। सामाजिक-सांस्कृतिक मुद्दे, प्रमुख आंदोलन

आधुनिक काल :

- आधुनिक भारत का इतिहास (18वीं शताब्दी के मध्य से वर्तमान तक)- प्रमुख घटनाएँ, व्यक्तित्व एवं मुद्दे
- स्वतंत्रता संघर्ष एवं भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन- विभिन्न अवस्थाएँ इनमें देश के विभिन्न क्षेत्रों के योगदानकर्त्ता एवं उनका योगदान
- 19वीं एवं 20वीं शताब्दी में सामाजिक एवं धार्मिक सुधार आंदोलन
- स्वातंत्र्योत्तर काल में राष्ट्रीय एकीकरण एवं पुनर्गठन

विश्व एवं भारत का भूगोल

विश्व का भूगोल :

- प्रमुख भौतिक विशेषताएँ
- पर्यावरणीय एवं पारिस्थितिकीय मुद्दे
- वन्य जीव-जन्तु एवं जैव-विविधता
- अंतर्राष्ट्रीय जलमार्ग
- प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र

भारत का भूगोल :

- प्रमुख भौतिक विशेषताएँ और मुख्य भू-भौतिक विभाजन
- कृषि एवं कृषि आधारित गतिविधियाँ
- खनिज- लोहा, मैंगनीज़, कोयला, खनिज तेल और गैस, आणविक खनिज
- प्रमुख उद्योग एवं औद्योगिक विकास
- परिवहन- मुख्य परिवहन मार्ग
- प्राकृतिक संसाधन
- पर्यावरणीय समस्याएँ तथा पारिस्थितिकीय मुद्दे

राजस्थान का भूगोल

- प्रमुख भौतिक विशेषताएँ और मुख्य भू-भौतिक विभाग
- राजस्थान के प्राकृतिक संसाधन
- जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, वन, वन्य जीव-जन्तु एवं जैव-विविधता
- प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ
- खान एवं खनिज संपदाएँ
- जनसंख्या
- प्रमुख उद्योग एवं औद्योगिक विकास की संभावनाएँ

भारतीय संविधान, राजनीतिक व्यवस्था एवं शासन प्रणाली

संवैधानिक विकास एवं भारतीय संविधान :

भारतीय शासन अधिनियम- 1919 एवं 1935, संविधान सभा, भारतीय संविधान की प्रकृति, प्रस्तावना (उद्देशिका), मौलिक अधिकार, राज्य के नीति निर्देशक सिद्धांत, मौलिक कर्त्तव्य, संघीय ढाँचा, संवैधानिक संशोधन, आपातकालीन प्रावधान, जनहित याचिका और न्यायिक पुनरावलोकन।

भारतीय राजनीतिक व्यवस्था एवं शासन :

- भारत राज्य की प्रकृति, भारत में लोकतंत्र, राज्यों का पुनर्गठन, गठबंधन सरकारें, राजनीतिक दल, राष्ट्रीय एकीकरण
- संघीय एवं राज्य कार्यपालिका, संघीय एवं राज्य विधान मण्डल, न्यायपालिका
- राष्ट्रपति, संसद, सर्वोच्च न्यायालय, निर्वाचन आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, योजना आयोग, राष्ट्रीय विकास परिषद्, मुख्य सतर्कता आयुक्त, मुख्य सूचना आयुक्त, लोकपाल एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग
- स्थानीय स्वायत्त शासन एवं पंचायती राज

लोक नीति एवं अधिकार :

- लोक कल्याणकारी राज्य के रूप में राष्ट्रीय लोकनीति
- विभिन्न विधिक अधिकार एवं नागरिक अधिकार पत्र

राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था

- राज्यपाल, मुख्यमंत्री, राज्य विधानसभा, उच्च न्यायालय, राजस्थान लोक सेवा आयोग, ज़िला प्रशासन, राज्य मानवाधिकार आयोग, लोकायुक्त, राज्य निर्वाचन आयोग, राज्य सूचना आयोग
- लोक नीति, विधिक अधिकार एवं नागरिक अधिकार-पत्र

अर्थशास्त्रीय अवधारणाएँ एवं भारतीय अर्थव्यवस्था

अर्थशास्त्र के मूलभूत सिद्धांत :

- बजट निर्माण, बैंकिंग, लोक-वित्त, राष्ट्रीय आय, संवृद्धि एवं विकास का आधारभूत ज्ञान
- लेखांकन- अवधारणा, उपकरण एवं प्रशासन में उपयोग
- स्टॉक एक्सचेंज एवं शेयर बाज़ार
- राजकोषीय एवं मौद्रिक नीतियाँ
- सब्सिडी, लोक वितरण प्रणाली
- ई-कॉमर्स
- मुद्रास्फीति- अवधारणा, प्रभाव एवं नियंत्रण तंत्र

आर्थिक विकास एवं आयोजन :

- पंचवर्षीय योजना- लक्ष्य, रणनीति एवं उपलब्धियाँ
- अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र- कृषि, उद्योग, सेवा एवं व्यापार, वर्तमान स्थिति, मुद्दे एवं पहल
- प्रमुख आर्थिक समस्याएँ एवं सरकार की पहल, आर्थिक सुधार एवं उदारीकरण

मानव संसाधन एवं आर्थिक विकास :

- मानव विकास सूचकांक
- गरीबी एवं बेरोज़गारी- अवधारणा, प्रकार, कारण, निदान एवं वर्तमान फ्लेगशिप योजनाएँ
- सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता- कमज़ोर वर्गों के लिये प्रावधान

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

- अर्थव्यवस्था का वृहत् परिदृश्य
- कृषि, उद्योग व सेवा क्षेत्र के प्रमुख मुद्दे
- संवृद्धि, विकास एवं आयोजना
- आधारभूत- संरचना एवं संसाधन
- प्रमुख विकास परियोजनाएँ
- कार्यक्रम एवं योजनाएँ- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों, नि:शक्तजनों, निराश्रितों, महिलाओं, बच्चों, वृद्धजनों, कृषकों एवं श्रमिकों के लिये राजकीय कल्याणकारी योजनाएँ

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

- विज्ञान के सामान्य आधारभूत तत्त्व
- इलेक्ट्रॉनिक्स, कम्प्यूटर्स, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी
- उपग्रह एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी
- रक्षा प्रौद्योगिकी
- नैनो-प्रौद्योगिकी
- मानव शरीर, आहार एवं पोषण, स्वास्थ्य देखभाल
- पर्यावरणीय एवं पारिस्थितिकीय परिवर्तन एवं इनके प्रभाव
- जैव-विविधता, जैव-प्रौद्योगिकी एवं अनुवांशिकीय-अभियांत्रिकी
- राजस्थान के विशेष संदर्भ में कृषि-विज्ञान, उद्यान-विज्ञान, वानिकी एवं पशुपालन
- राजस्थान में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास

तार्किक विवेचन एवं मानसिक योग्यता

तार्किक दक्षता (निगमनात्मक, आगमनात्मक, अपवर्तनात्मक) :

- कथन एवं मान्यताएँ, कथन एवं तर्क, कथन एवं निष्कर्ष, कथन-कार्यवाही
- विश्लेषणात्मक तर्कक्षमता

मानसिक योग्यता :

- संख्या श्रेणी, अक्षर श्रेणी, बेमेल छाँटना, कूटवाचन (कोडिंग-डिकोडिंग), संबंधों, आकृतियों एवं उनके उपविभाजन से जुड़ी समस्याएँ

आधारभूत संख्यात्मक दक्षता :

- गणितीय एवं सांख्यिकीय विश्लेषण का प्रारम्भिक ज्ञान
- संख्या से जुड़ी समस्याएँ व परिमाण का क्रम, अनुपात तथा समानुपात, प्रतिशत, साधारण एवं चक्रवृद्धि ब्याज, आँकड़ों का विश्लेषण (सारणी, दण्ड-आरेख, रेखाचित्र, पाई-चार्ट)

समसामयिक घटनाएँ

- राजस्थान राज्यस्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की प्रमुख समसामयिक घटनाएँ एवं मुद्दे
- वर्तमान में चर्चित व्यक्ति एवं स्थान
- खेल एवं खेलकूद संबंधी गतिविधियाँ

मुख्य परीक्षा योजना एवं पाठ्यक्रम

परीक्षा योजना

- मुख्य परीक्षा में प्रविष्ट किये जाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या, विभिन्न सेवाओं और पदों की उस वर्ष में भरी जाने वाली रिक्तियों (प्रवर्गवार) की कुल अनुमानित संख्या का 15 गुणा होगी, किन्तु उक्त रेंज में उन समस्त अभ्यर्थियों को, जिन्होंने अंकों का वही प्रतिशत प्राप्त किया है, जैसा आयोग द्वारा किसी निम्नतर रेंज के लिए नियत किया जाये, मुख्य परीक्षा में प्रवेश दिया जायेगा।
- लिखित परीक्षा में निम्नलिखित चार प्रश्न–पत्र होंगे जो वर्णनात्मक/विश्लेषणात्मक होंगे। अभ्यर्थी को नीचे सूचीबद्ध समस्त प्रश्नपत्र देने होंगे जिनमें संक्षिप्त, मध्यम, दीर्घ उत्तर वाले और वर्णनात्मक प्रकार के प्रश्नों वाले प्रश्नपत्र भी होंगे। सामान्य हिन्दी और सामान्य अंग्रेजी का स्तरमान सीनियर सैकेण्डरी स्तर का होगा। प्रत्येक प्रश्न–पत्र के लिए अनुज्ञात समय 3 घण्टे होगा।

प्रश्न पत्र	प्रश्न पत्र विषय	अधिकतम अंक	अवधि
I	**सामान्य अध्ययन– I**	200	**3 घंटे**
II	**सामान्य अध्ययन– II**	200	**3 घंटे**
III	**सामान्य अध्ययन– III**	200	**3 घंटे**
IV	**सामान्य हिन्दी एवं सामान्य अंग्रेजी**	200	**3 घंटे**

मुख्य परीक्षा पाठ्यक्रम

प्रश्नपत्र–1

सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन

इकाई-I (इतिहास)

खंड-अ : राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य परंपरा और धरोहर

- प्रागैतिहासिक काल से 18वीं शताब्दी के अवसान तक राजस्थान के इतिहास के प्रमुख सोपान, महत्त्वपूर्ण राजवंश, उनकी प्रशासनिक एवं राजस्व व्यवस्था।
- 19वीं-20वीं शताब्दी की प्रमुख घटनाएँ : किसान एवं जनजाति आंदोलन, राजनीतिक जागृति, स्वतंत्रता संग्राम और एकीकरण।
- राजस्थान की धरोहर : प्रदर्शन व ललित कलाएँ, हस्तशिल्प व वास्तुशिल्प, मेले, पर्व, लोक संगीत व लोक नृत्य।
- राजस्थानी साहित्य की महत्त्वपूर्ण कृतियाँ एवं राजस्थान की बोलियाँ।
- राजस्थान के संत, लोक देवता एवं महत्त्वपूर्ण विभूतियाँ

खंड-ब : भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

- भारतीय धरोहर : सिंधु सभ्यता से लेकर ब्रिटिश काल तक के भारत की ललित कलाएँ, प्रदर्शन कलाएँ, वास्तु परंपरा एवं साहित्य
- प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत के धार्मिक आंदोलन और धर्म दर्शन।
- 19वीं शताब्दी के प्रारम्भ से 1965 ई. तक आधुनिक भारत का इतिहास : महत्त्वपूर्ण घटनाक्रम, व्यक्तित्व और मुद्दे।
- भारत का राष्ट्रीय आंदोलन : इसके विभिन्न चरण व धाराएँ, प्रमुख योगदानकर्त्ता और देश के भिन्न-भिन्न भागों से योगदान।
- 19वीं-20वीं शताब्दी में सामाजिक-धार्मिक सुधार आंदोलन।
- स्वतंत्र्योत्तर सुदृढ़ीकरण और पुनर्गठन- देशी रियासतों का विलय तथा राज्यों का भाषायी आधार पर पुनर्गठन।

खंड-स : आधुनिक विश्व का इतिहास (1950 ई. तक)

- पुनर्जागरण व धर्म सुधार।
- प्रबोधन व औद्योगिक क्रांति।
- एशिया व अफ्रीका में साम्राज्यवाद और उपनिवेशवाद।
- विश्व युद्धों का प्रभाव।

इकाई-II (अर्थव्यवस्था)

खंड-अ : भारतीय अर्थशास्त्र

- अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र : कृषि, उद्योग और सेवा- वर्तमान स्थिति, मुद्दे एवं पहल
- बैंकिंग : मुद्रा-पूर्ति और उच्चाधिकार प्राप्त मुद्रा की अवधारणा, केंद्रीय बैंक एवं वाणिज्य बैंकों की भूमिका एवं कार्यप्रणाली, अनर्जक परिसंपत्ति, वित्तीय समावेशन, मौद्रिक नीति- अवधारणा, उद्देश्य और साधन।
- लोक वित्त : भारत में कर सुधार- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर, परिदान, नकद हस्तांतरण और अन्य संबंधी मुद्दे, भारत की वर्तमान राजकोषीय नीति।
- भारतीय अर्थव्यवस्था में हाल के रुझान- विदेशी पूंजी की भूमिका, बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, निर्यात-आयात नीति, 12वाँ वित्त आयोग, गरीबी उन्मूलन योजनाएँ।

खंड-ब : वैश्विक अर्थव्यवस्था

- वैश्विक आर्थिक मुद्दे और प्रवृत्तियाँ : विश्व बैंक, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व व्यापार संगठन की भूमिका।
- विकासशील, उभरते और विकसित देशों की संकल्पना।
- वैश्विक परिदृश्य में भारत।

खंड-स : राजस्थान की अर्थव्यवस्था

- राजस्थान के विशेष संदर्भ में कृषि, बागवानी, डेयरी और पशुपालन।
- औद्योगिक क्षेत्र : संवृद्धि और हाल के रुझान।
- राजस्थान के विशेष संदर्भ में संवृद्धि, विकास और आयोजना।
- राजस्थान के सेवा क्षेत्र में वर्तमान में हुए विकास एवं मुद्दे।
- राजस्थान की प्रमुख विकास परियोजनाएँ- उनके उद्देश्य और प्रभाव।
- राजस्थान में आर्थिक परिवर्तन के लिये सार्वजनिक निजी भागीदारी मॉडल।
- राज्य का जनांकिकी परिदृश्य और राजस्थान की अर्थव्यवस्था पर इसका प्रभाव।

इकाई-III (समाजशास्त्र, प्रबंधन एवं व्यावसायिक प्रशासन)

खंड-अ : समाजशास्त्र

भारत में समाजशास्त्रीय विचारों का विकास

- सामाजिक मूल्य
- जाति वर्ग और व्यवसाय
- संस्कृतीकरण
- वर्ण, आश्रम, पुरुषार्थ एवं संस्कार व्यवस्था
- धर्मनिरपेक्षता
- मुद्दे एवं सामाजिक समस्याएँ
- राजस्थान के जनजातीय समुदाय- भील, मीणा एवं गरासिया

खंड-ब : प्रबंधन

- प्रबंधन- क्षेत्र, अवधारणा, प्रबंधन के कार्य- योजना, आयोजन, स्टाफ, निर्देशन, समन्वय और नियंत्रण, निर्णय लेना : अवधारणा, प्रक्रिया और तकनीक।
- विपणन की आधुनिक अवधारणा, विपणन मिश्रण- उत्पाद, मूल्य, स्थान और संवर्धन
- धन के अधिकतमकरण की अवधारणा एवं उद्देश्य, वित्त के स्रोत- छोटी और लंबी अवधि, पूंजी संरचना, पूंजी की लागत
- नेतृत्व और प्रेरणा की अवधारणा और मुख्य सिद्धांत, संचार प्रक्रिया, भर्ती, चयन, प्रेरण, प्रशिक्षण एवं विकास और मूल्यांकन प्रणाली के मूल सिद्धांत

खंड-स : व्यावसायिक प्रशासन

- वित्तीय विवरण विश्लेषण की तकनीक, कार्यशील पूंजी प्रबंधन के मूल सिद्धांत, जवाबदेही और सामाजिक लेखांकन
- अंकेक्षण का अर्थ एवं उद्देश्य, आंतरिक नियंत्रण, सामाजिक, प्रदर्शन और कार्यकुशलता अंकेक्षण।
- विभिन्न प्रकार के बजट एवं उनके मूल सिद्धांत, बजटीय नियंत्रण

प्रश्नपत्र-2

सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन

इकाई-I (तार्किक दक्षता, मानसिक योग्यता और आधारभूत संख्यनन)

- तार्किक कौशल एवं विश्लेषणात्मक तर्क क्षमता
- संख्या श्रेणी, अक्षर श्रेणी, कूटवाचन (कोडिंग-डिकोडिंग)
- संबंधों पर आधारित समस्याएँ
- आकृतियाँ एवं उनके उपविभाजन, वेन आरेख
- घड़ियों, आयु एवं कैलेंडर पर आधारित समस्याएँ,
- संख्याएँ एवं परिमाण की कोटि
- दो चरों वाली युगपत रेखीय समीकरण
- अनुपात-समानुपात, मिश्र अनुपात
- वर्गमूल, घनमूल, महत्तम समापवर्तक (म.स.प.) लघुत्तम समापर्वतक (ल.स.प.)

- प्रतिशत, सरल एवं चक्रवर्ती ब्याज़
- समय और काम, चाल एवं दूरी
- सरल ज्यामितीय आकृतियों का क्षेत्रफल एवं परिमाप, गोला, शंकु, बेलन और घनाभ का आयतन एवं पृष्ठीय क्षेत्रफल
- त्रिकोणमितीय अनुपात एवं कोण
- आँकड़ों का विश्लेषण (तालिका, बारग्राफ, रेखीय ग्राफ, पाई-चार्ट)
- केंद्रीय प्रवृत्ति के मान, माध्य, बहुलक, माध्यिका, मानक विचलन एवं विचरण
- प्रायिकता

इकाई-II-II (सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी)

खंड-अ : राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य परंपरा और धरोहर

- गति, गति के नियम, कार्य ऊर्जा एवं शक्ति, घूर्णन गति, गुरुत्वाकर्षण, सरल आवर्त गति, तरंगें
- पदार्थ के गुण, स्थिर वैद्युतिकी, धारा विद्युत, गतिमान आवेश एवं चुम्बकत्व
- किरण प्रकाशिकी, प्रकाश विद्युत प्रभाव, नाभिकीय भौतिकी, अर्ध चालक युक्तियाँ
- विद्युत चुम्बकीय तरंगें, संचार निकाय, कंप्यूटर प्रणाली के मूलभूत सिद्धांत, सूचना प्रोद्यौगिकी का प्रशासन, ई-गवर्नेंस तथा ई-कॉमर्स में उपयोग, भारतीय वैज्ञानिकों का विज्ञान के विकास में योगदान
- पदार्थ की अवस्था, परमाणु संरचना, रासायनिक बन्ध एवं आणिवक संरचना, साम्यावस्था
- ऊष्मागतिकी, गैसों का गत्यात्मक सिद्धांत, ठोस अवस्था, विल्यन, विद्युत रसायन, रासायनिक बल गति
- जीवन के विशिष्ट लक्षण
- जीवों में पोषण
- वंशागति तथा विविधता के सिद्धांत
- मानव स्वास्थ्य तथा रोग
- जैव प्रौद्योगिकी एवं उसके उपयोग
- जैव-विविधता एवं संरक्षण
- पारितंत्र
- राजस्थान के विशेष संदर्भ में कृषि विज्ञान, उद्यान विज्ञान, वानिकी, डेयरी एवं पशुपालन

इकाई-III (पृथ्वी विज्ञान : भूगोल एवं भू-विज्ञान)

खंड-अ : विश्व

- प्रमुख भौतिक भू-आकृतियाँ : पर्वत, पठार, मैदान, झीलें एवं हिमनद
- भूकंप एवं ज्वालामुखी : प्रकार, वितरण एवं उनका प्रभाव
- पृथ्वी एवं भू-वैज्ञानिक समय सारणी
- समसमायिक भू-राजनीतिक समस्याएँ

खंड-ब : भारत

- प्रमुख भौतिक : पर्वत, पठार, मैदान, झीलें एवं हिमनद
- भारत के प्रमुख भू-आकृतिक प्रदेश
- जलवायु : मानसून की उत्पत्ति, ऋतुओं के अनुसार जलवायु दशाएँ, वर्षा का वितरण एवं जलवायु प्रदेश।
- प्राकृतिक संसाधन : (क) जल, वन एवं मृदा संसाधन (ख) शैल एवं खनिज- प्रकार एवं उनका उपयोग
- जनसंख्या : वृद्धि, वितरण, घनत्व, लिंगानुपात, साक्षरता, नगरीय एवं ग्रामीण जनसंख्या

खंड-स : राजस्थान

- प्रमुख भौतिक भू-आकृतियाँ : पर्वत, पठार, मैदान, नदियाँ एवं झीलें
- प्रमुख भू-आकृतिक प्रदेश
- प्राकृतिक वनस्पति एवं जलवायु
- पशुपालन, जंगली जीव-जंतु एवं उनका संरक्षण
- कृषि- प्रमुख फसलें
- खनिज संसाधन- (क) धात्विक खनिज : प्रकार, वितरण एवं उनका औद्योगिक उपयोग (ख) आधात्विक खनिज : प्रकार, वितरण एवं उनका औद्योगिक उपयोग
- ऊर्जा संसाधन : परंपरागत एवं गैर परंपरागत स्रोत
- जनसंख्या एवं जनजातियाँ

प्रश्नपत्र-3

सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन

इकाई-I (भारतीय राजनीतिक व्यवस्था, विश्व राजनीति एवं समसामयिक मामले)

- भारतीय संविधान : निर्माण, विशेषताएँ, संशोधन, मूल ढाँचा
- वैचारिक सत्व : उद्देशिका, मूल अधिकार, राज्य नीति के निदेशक तत्त्व, मूल कर्त्तव्य
- संस्थात्मक ढाँचा I : संसदीय प्रणाली, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मंत्री परिषद्, संसद
- संस्थात्मक ढाँचा II : संघवाद, केंद्र-राज्य संबंध, उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय, न्यायिक पुनरावलोकन, न्यायिक सक्रियता।
- संस्थात्मक ढाँचा III : भारत निर्वाचन आयोग, नियंत्रक एवं महा लेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, नीति आयोग, केंद्रीय सतर्कता आयोग, केंद्रीय सूचना आयोग, राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग
- राजनीतिक गत्यात्मकताएँ : भारतीय राजनीति में जाति, धर्म, वर्ग नृजातीयता, भाषा एवं लिंग की भूमिका, राजनीतिक दल एवं मतदान व्यवहार, नागरिक समाज एवं राजनीतिक आंदोलन, राष्ट्रीय अखंडता एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दे, सामाजिक-राजनीतिक संघर्ष के संभावित क्षेत्र।
- राजस्थान की राज्य-राजनीति : दलीय प्रणाली, राजनीतिक जनांकिकी, राजस्थान में राजनीतिक प्रतिस्पर्द्धा के विभिन्न चरण, पंचायती राज एवं नगरीय स्वशासन संस्थाएँ।
- शीत युद्धोत्तर दौर में उदीयमान विश्व-व्यवस्था, संयुक्त राज्य अमेरिका का वर्चस्व एवं इसका प्रतिरोध, संयुक्त राष्ट्र एवं क्षेत्रीय संगठन, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद एवं पर्यावरणीय मुद्दे।
- भारत की विदेश नीति : उद्विकास, निर्धारक तत्त्व, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, रूस एवं यूरोपीय संघ के साथ भारत के संबंध, संयुक्त राष्ट्र, गुट निरपेक्ष आंदोलन, ब्रिक्स, जी-20, जी-77 एवं सार्क में भारत की भूमिका।
- दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया एवं पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक एवं रणनीतिक विकास तथा उनका भारत पर प्रभाव।
- समसामयिक मामले : राजस्थान, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की समसामयिक घटनाएँ, व्यक्ति एवं स्थान, खेलकूद से जुड़ी हाल की गतिविधियाँ।

इकाई-II (लोक प्रशासन एवं प्रबंधन की अवधारणाएँ, मुद्दे एवं गत्यात्मकता)

- प्रशासन एवं प्रबंधन- अर्थ, प्रकृति एवं महत्त्व, विकसित एवं विकासशील समाजों में लोक प्रशासन की भूमिका, एक विषय के रूप में लोक प्रशासन का विकास, नवीन लोक प्रशासन, लोक प्रशासन के सिद्धांत।
- अवधारणाएँ- शक्ति, सत्ता, वैधता, उत्तरदायित्व एवं प्रत्यायोजन।
- संगठन के सिद्धांत- पदसोपान, नियंत्रण का क्षेत्र एवं आदेश की एकता।
- प्रबंधन के नवीन आयाम- परिवर्तन का प्रबंधन
- लोक सेवा के आधारभूत मूल्य एवं अभिवृत्ति- लोक सेवा सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता, गैर-पक्षधरता एवं समर्पण, सामान्यज्ञ एवं विशेषज्ञ संबंध।
- प्रशासन पर विधायी एवं न्यायिक नियंत्रण- विधायी एवं न्यायिक नियंत्रण की विभिन्न पद्धतियाँ एवं तकनीक।
- राजस्थान में प्रशासनिक ढाँचा एवं प्रशासनिक संस्कृति- राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रिपरिषद, राज्य सचिवालय एवं मुख्य सचिव।
- ज़िला प्रशासन- संगठन, ज़िलाधीश एवं पुलिस अधीक्षक की भूमिका उपखंड एवं तहसील प्रशासन।

- प्रशानिक विकास- अर्थ, क्षेत्र एवं विशेषताएँ।
- राज्य मानवाधिकार आयोग, राज्य निर्वाचन आयोग, राज्य वित्त आयोग, लोकायुक्त, राजस्थान लोक सेवा आयोग एवं राजस्थान लोक सेवा अधिनियम, 2011।

इकाई-III (प्रशासकीय नीतिशास्त्र, व्यवहार एवं विधि)

खंड-अ : प्रशासकीय नीतिशास्त्र

- नीतिशास्त्र एवं मानवीय अंतरसंबंध- मानवीय क्रियाओं में नीतिशास्त्र की अवधारणा, उसके निर्धारक और परिणाम- नैतिक मूल्य (उचित और कर्त्तव्य, शुभ एवं सद्गुण), प्लेटो का मुख्य सद्गुण, उपयोगितावाद- जे.एस. मिल., संकल्प की स्वतंत्रता व नैतिक उत्तरदायित्व।
- कांटीय नीतिशास्त्र भगवद्गीता का नीतिशास्त्र एवं प्रशासन में इसकी भूमिका।
- नीतिशास्त्र के आयोग- समाज एवं शैक्षणिक संस्थाओं द्वारा पोषित मूल्यों में प्रशासकों की भूमिका।
- निजी एवं सार्वजनिक संबंधों में नीतिशास्त्र की भूमिका- प्रशासकों का आचरण, मूल्य एवं राजनैतिक अभिवृत्ति।

खंड-ब : व्यवहार

- बुद्धि : संज्ञानात्मक बुद्धि, सामाजिक बुद्धि, संवेगात्मक बुद्धि, सांस्कृतिक बुद्धि और हॉवर्ड गार्डनर का विविध बुद्धि सिद्धांत।
- व्यक्तित्व : मनोविश्लेषण सिद्धांत, शीलगुण व प्रकार सिद्धांत, व्यक्तित्व निर्धारण के कारण और व्यक्तित्व मापन विधियाँ।
- अधिगम और अभिप्रेरणा : अधिगम की शैलियाँ, स्मृति के मॉडल और विस्मृति के कारण अभिप्रेरणा के वर्गीकरण व प्रकार, कार्य अभिप्रेरणा के सिद्धांत और अभिप्रेरणा का मापन
- जीवन की चुनौतियों का सामना करना : तनाव : प्रकृति, प्रकार, कारण, लक्षण, प्रभाव, तनाव प्रबंधन और सकारात्मक स्वास्थ्य का प्रोत्साहन

खंड-स : विधि

- विधि की अवधारणा- स्वामित्व एवं कब्ज़ा, व्यक्तित्व, दायित्व, अधिकार एवं कर्त्तव्य।
- वर्तमान विधिक मुद्दे- सूचना का अधिकार, सूचना प्रौद्योगिकी विधि साइबर अपराध सहित (अवधारणा, उद्देश्य, प्रत्याशाएँ), बौद्धिक संपदा अधिकार (अवधारणा, प्रकार एवं उद्देश्य)।
- स्त्रियों एवं बालकों के विरुद्ध अपराध- घरेलू हिंसा, कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012, बाल श्रमिकों से संबंधित विधि।
- राजस्थान में महत्त्वपूर्ण भूमि विधियाँ- (क) राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 (ख) राजस्थान काश्तकारी अधिनियम, 1955

Paper-IV : General Hindi and General English

सामान्य हिन्दी

इकाई-I- सामान्य हिन्दी : कुल अंक 120, इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य अभ्यर्थी की भाषा-विषयक क्षमता तथा उसके विचारों की सही, स्पष्ट एवं प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति की परख करना है।

भाग अ- (अंक 50)

- संधि एवं संधि विच्छेद- दिये हुए शब्दों में संधि करना और संधि विच्छेद करना।
- उपसर्ग- उपसर्गों का सामान्य ज्ञान और उनके संयोग से शब्दों की संरचना और शब्दों में विद्यमान प्रत्ययों को पृथक करना।
- शब्द-युग्मों का अर्थ भेद
- एक वाक्यांश के लिये एक सार्थक शब्द
- वाक्य एवं शब्द शुद्धि- विभिन्न व्याकरणिक अशुद्धियों वाले वाक्य एवं शब्द को शुद्ध करना।
- मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ अनुप्रयोग
- पारिभाषिक शब्दावली- प्रशासन से संबंधित अंग्रेज़ी शब्दों के समानार्थक हिन्दी शब्द
- पर्यायवाची शब्द
- विलोम शब्द

भाग ब- (अंक 50)

- संक्षिप्तीकरण- गद्यावतरण का उचित शीर्षक एवं एक-तिहाई शब्दों में संक्षिप्तीकरण (गद्यावतरण की शब्द सीमा 150 शब्द एवं संक्षिप्तीकरण लगभग 50 शब्दों में होना चाहिये।)
- वृद्धीकरण- किसी सूक्ति, काव्य की पंक्ति, प्रसिद्ध कथन आदि का भाव विस्तार (शब्द सीमा 150 शब्द)
- पत्र-लेखन एवं प्रारूप- कार्यालयी पत्र, निविदा, परिपत्र, अधिसूचना और अर्द्धशासकीय पत्र आदि।

भाग स- (अंक 20)

- निबंध लेखन- किसी समसामयिक एवं अन्य विषय पर दो निबंध लेखन (शब्द सीमा 100 से 150 शब्दों में)

General English (Total Marks 80)

Part A – Grammar & Usage (20 Marks)

- Correction of sentences : 10 sentences for correction with errors related to : Articles & Determiners
- Prepositions
- Tenses & Sequence of Tenses
- Modals
- Voice– Active & Passive
- Narration– Direct & Indirect
- Synonyms & Antonyms
- Phrasal Verbs & Idioms
- One Word Substitute
- Words often Confused or Misused

Part B – Comprehension, Translation & Precis Writing (30 Marks)

- Comprehension of an Unseen Passage (250 Words approximately) 05 Questions based on the passage. Question No. 05 should preferably be on vocabulary.
- Translation of five sentences from Hindi to English.
- Precis Writing (a short passage of approximately 150-200 words)

Part C – Composition & Letter Writing (30 Marks)

- Paragraph Writing– Any 01 paragraph out of 03 given topics (approximately 200 words)
- Elaboration of a given theme (Any 1 out of 3, approximately 150 words)
- Letter Writing or Report Writing (approximately 150 words)